Email ID- cdupjn_amroha@yahoo.com

कार्यालय

अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण),
मौहल्ला सिरसागढ़ पड़की, बम्बूगढ चौराहा/न्यू रोडवेज बस स्टैण्ड के पीछे कांकर सराय
बाई पास रोड, अमरोहा-244221

पत्रांक 1700 / न्यूज कटिंग / 58 दिनांक 24/04/26

सेवा में,

जिलाधिकारी,
अमरोहा।

विषयः— जनपद अमरोहा के दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला में प्रकाशित न्यूज शीर्षक "2.79 करोड़ का ओवरहेड टैंक बना शोपीस पाइप लाइन का काम भी अधूरा" के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला (24.04.2026) में प्रकाशित न्यूज कटिंग अधोहस्ताक्षरी को न्यूज पेपर के माध्यम से प्राप्त हुयी है, के संदर्भ में खण्ड से सम्बन्धित आख्या निम्नानुसार प्रेषित है—

अद्यतन आख्या निम्नानुसार है—

हैड लाइन	आख्या
"2.79 करोड़ का ओवरहेड टैंक बना शोपीस पाइप लाइन का काम भी अधूरा "	➢ वर्तमान में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत स्वीकृत 495 नग पेयजल योजनाओं (राजस्व ग्राम 884) में 884 राजस्व ग्रामों के सापेक्ष 676 राजस्व ग्रामों में फर्म द्वारा पेयजलापूर्ति की जा रही है। ➢ 493 नग ओ.एच.टी. के सापेक्ष 200 नग ओ.एच.टी. का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है, अवशेष कार्य प्रगति पर हैं। ➢ जनपद में औसतन 95.45 प्रतिशत ग्रामीणो को पेयजल कनेक्शन देने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। अवशेष कार्य प्रगति पर हैं। ➢ पाइप लाइन बिछाने हेतु तोड़ी गयी सड़को को पाइप बिछाने के उपरान्त सड़क को मोटरेबल कर दिया जाता है तथा पेयजल कनेक्शन एवं हाईड्रोटैस्टिंग उपरान्त सड़को को स्थाई रूप से पुर्नस्थापित कर दिया जाता है। ➢ हरियाना पेयजल योजना वि0ख0 जोया के कार्य M/S OMIL-JWIL (JV),NEW DELHI द्वारा कराये जा रहे है। उक्त ग्राम में शिरोपरि जलाशय का कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण, पम्प हाउस व वाउड्रीवॉल का कार्य 85 प्रतिशत पूर्ण, पाइप लाइन का कार्य 11.28 कि0मी0 के सापेक्ष 9.45 कि0मी0 पूर्ण, गृह जल संयोजन 980 नग के सापेक्ष 242 नग पूर्ण एवं रास्तों को पूर्व में

Scanned with CamScanner

	मोटरेबल कर दिया गया है। NHAI से उक्त राष्ट्रीय राजमार्ग क्रॉसिंग की अनापत्ति प्राप्त करने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जा रही है उक्त विभाग से रोड़ क्रॉसिंग की अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने के उपरान्त सम्बन्धित फर्म द्वारा क्रॉसिंग कर पेयजल आपूर्ति प्रारम्भ कर दी जायेगी।

उक्त के अतिरिक्त अवगत कराना है कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत भारत सरकार के पत्रांक W-11011/30/2021-JJM-1-DDWS दिनांक 16.10.2025 द्वारा कार्य पूर्ण करने की तिथि 31 दिसम्बर 2028 तक विस्तारित कर दी गयी है। माह दिसम्बर 2027 तक धन की उपलब्धता के अनुसार कार्य पूर्ण कर नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति प्रारम्भ कर दी जायेगी, सादर सूचनार्थ प्रेषित।

भवदीय

(चन्द्रहास)

अधिशासी अभियन्ता

पू0सं0 एवं दिनांक उपरोक्तानुसार।

प्रतिलिपि:– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1– मुख्य अभियन्ता(ग्रामीण) महोदय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), लखनऊ।
2– अधीक्षण अभियन्ता महोदय, मण्डल कार्यालय उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण) मुरादाबाद।
3– मुख्य विकास अधिकारी महोदय, जनपद अमरोहा।
4– जिला सूचना अधिकारी, अमरोहा।
5– सम्बन्धित सहायक अभियन्ता/जू0इं0।
7– M/S OMIL-JWIL (JV),NEW DELHI को इस निर्देश के साथ कि उक्त पेयजल योजना के समस्त कार्य पूर्ण कर नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति कराना सुनिश्चित करें।

अधिशासी अभियन्ता

Scanned with CamScanner

amarujala.com मुरादाबाद | शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026

2.79 करोड़ का ओवरहेड टैंक बना शोपीस पाइपलाइन का काम भी छोड़ दिया अधूरा

गांव हरियाना के लोग बोले, कार्यदायी संस्था की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाए

संवाद न्यूज एजेंसी

डिडौली। जोया ब्लॉकक्षेत्र में विकास योजनाओं के बड़े-बड़े दावों के बीच जमीनी हकीकत कुछ और ही है। गांव हरियाना में जल जीवन मिशन के तहत 2.79 करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई पानी की टंकी आज भी ग्रामीणों की प्यास नहीं बुझा पा रही है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यह ओवरहेड टैंक गांव में केवल एक शोपीस बनकर खड़ा है, जबकि लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि ओवरहेड टैंक का निर्माण कार्य 2023 में शुरू हुआ था। टंकी का निर्माण तो पूरा कर लिया गया, लेकिन जलापूर्ति के लिए जरूरी पाइपलाइन बिछाने का काम अधूरा छोड़ दिया गया। गांव के कुछ हिस्सों में ही पाइप डाले गए हैं, जबकि बड़ी आबादी अब भी इस सुविधा से वंचित है।

सबसे बड़ी बाधा नेशनल हाईवे के पार पाइपलाइन बिछाने को लेकर सामने आ रही है। आरोप है कि संबंधित विभाग की लापरवाही और प्रशासनिक सुस्ती के चलते हाईवे पार पाइपलाइन डालने का काम अब तक शुरू ही नहीं हो सका है, जिससे पानी

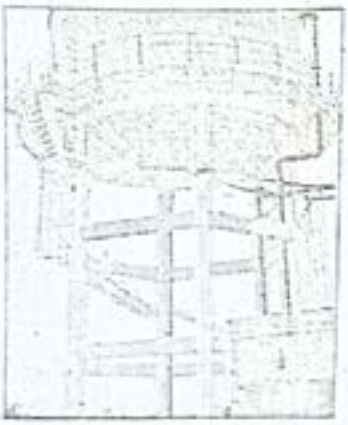

हरियाना में बना ओवरहेड टैंक। संवाद

की सप्लाई ठप पड़ी है। इधर क्षेत्र में लगातार गिरते जलस्तर ने ग्रामीणों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

सरकारी हैंडपंप जवाब देने लगे हैं और निजी संसाधनों से पानी की व्यवस्था करना हर किसी के लिए संभव नहीं है। ऐसे में ग्रामीणों का सवाल है कि जब गांव में करोड़ों की लागत से बनी पानी की टंकी मौजूद है, तो उन्हें पानी के लिए संघर्ष क्यों करना पड़ रहा है।

इसको लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता और योजना दोनों स्तर पर लापरवाही बरती गई है। अधूरी पाइपलाइन को जल्द पूरा करा कर पूरे गांव में जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। हाईवे क्रॉसिंग का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए, ताकि टंकी से पानी की सप्लाई शुरू हो सके।

साथ ही लापरवाह कार्यदायी संस्था की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाए। अब बड़ा सवाल यह है कि करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई इस टंकी से आखिर कब गांव के लोगों की प्यास बुझेगी, या यह यूं ही सरकारी योजनाओं की हकीकत बयां करती रहेगी।

हमारे गांव में ओवरहेड टैंक बने करीब दो साल हो चुके हैं, लेकिन आज तक पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो सकी है। पाइपलाइन का काम भी अभी तक अधूरा पड़ा हुआ है, जिससे स्थिति और खराब हो गई है। गांव के लोगों को पानी के लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। - अनस, हरियाना

गांव में पानी की टंकी तो बना दी गई है, लेकिन पूरे गांव की सड़कें खराब कर दी गई हैं। पाइपलाइन बिछाने का काम अधूरा पड़ा है और सप्लाई शुरू करने के लिए हाईवे क्रॉसिंग का कार्य भी अभी तक नहीं हुआ है। सभी काम अधूरा होने के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। - अतिकुल रहमान, हरियाना

हमारे गांव में केवल ओवरहेड टैंक का निर्माण कर दिया गया है, लेकिन पाइपलाइन का काम अभी अधूरा है। गांव में कुछ जगह ही पाइपलाइन डाली गई है, जबकि सड़क पार कर पाइपलाइन बिछाने का कार्य अब तक नहीं हुआ है। पूरा काम अधूरा अटका हुआ है, जिससे गांव में पेयजल की बड़ी समस्या बनी हुई है। - मोहम्मद हिलाल, हरियाना

गांव में करीब दो साल पहले ओवरहेड टैंक का निर्माण कराया गया था, लेकिन आज तक पूरे गांव में एक बूंद भी पानी की सप्लाई नहीं हो सकी है। गांव में पानी का स्तर काफी नीचे चला गया है, जिससे नलों से भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। - भूरे, हरियाना

कई बार ठेकेदारों से शिकायत की है कि गांव की उखड़ी हुई सड़कों के कारण लोग गिरकर घायल हो रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही। ठेकेदार समस्या का समाधान करने के बजाय उल्टा उन्हें ही हड़काने की कोशिश करते हैं। ग्रामीणों को इस परेशानी से निजात दिलाने के लिए उन्होंने कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। - जीशान, ग्राम प्रधान, हरियाना

Scanned with CamScanner